श्री गुरु चरण कमलेभ्यो नमः

शाकंभरी साधना (28th Dec 2025 - 3rd Jan 2026)

आकस्मिक धन प्राप्ति सिद्धि अनुष्ठान

पराशर उवाच:

सिंहासन गतः शुक्रः संप्राप्य त्रिदिवं पुनः | देव राज्ये स्थितो देवीं तुष्टाब्ज करां ततः ||

इंद्र उवाच:

नमस्ते सर्व भूतानां जननीमब्धि संभवाम् | श्रियमुन्निद्र पद्माक्षीं विष्णुवक्षः स्थल स्थिताम् ||
पद्मालयां पद्मक्रां पद्मपत्र निपेक्षणाम् | वंदे पद्ममुखीं देवीं पद्मनाम प्रियामहम् ||
त्वं सिद्धिस्त्वं स्वधा स्वाहा सुधा त्वं लोकपावनी | संध्या रात्रिः प्रभा भूतिर्मेधा श्रद्धा सरस्वती ||
यज्ञ विद्या महाविद्या गुह्यविद्या च शोभने | आत्मविद्या च देवी त्वं विमुक्तिफलदायिनी ||
आन्वीक्षिकी त्रयी वार्ता दंडनीतिस्त्वमेव च | सौम्या सौम्यैर्जगद् रूपैस्त्वयैतद् देवि! पूरितम् ||
का त्वन्या त्वमृते देवी! सर्वयज्ञमयं वपुः | अध्यास्ते देवदेवस्य योगी चिंत्यां गदा भृतः ||
त्यक्त्वा देवी! परित्यक्तं सकलं भुवन त्रयम् | विनिष्ट प्रायम् भवत् त्वयेदानीं समेथितम् ||
दाराः पुत्रास्तथागार सहृदान्य धनादिकम् | भक्त्यैतन्महाभागे! नित्यंत्वद् वीक्षणा नृणाम् ||
न ते वर्णयितुं शक्ता गुणान जिह्वापि वेधसः | प्रसीद देवि पद्माक्षी! नास्मांस्त्याक्षीः कदाचन ||

(शाकंभरी जयंती के अवसर पर आकस्मिक धन प्राप्ति की सिद्धि के लिए, उस दिन रात्रि में आसन पर बैठकर, चांदी की प्लेट में चंदन से अष्टदल कमल बनाएं। उसके ऊपर "आकस्मिक धन प्राप्ति शाकंभरी यंत्र" स्थापित करें और सामने शुद्ध घी का दीपक जलाएं। यंत्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा करें और दीपक की लौ पर दृष्टि केंद्रित करते हुए इस स्तोत्र का 11 बार पाठ करें। यह प्रक्रिया लगातार तीन दिनों तक करनी चाहिए।)

शाकंभरी स्तोत्र (21 बार पाठ)

सिद्धिदा बुद्धिदात्री च सदा सिद्धि निषेवणी | मालता माल्य युक्ता च दुर्गा दुर्गार्ति नाशिनी ||
वृद्धिदा बुद्धिदात्री च सदा संकट नाशिनी | जननी लोक माता च कुलज्ञा कुल - पालिनी ||
दयारूप हृदिस्था च पूज्या च कुलपूजनी | सदाराध्या सदाध्येया सदा संकट - नाशिनी ||
माया - रूपा स्वरूपा च भक्तानुग्रहकारिणी | कुलार्चिका महा-देवी देवानां सुखदायिनी ||
सर्व स्वरूपा सर्वा च सर्वेषां सुखदामता | कल्याणी कल्परूपा च कल्याणी सेविता सदा ||

(आज शाकंभरी सिद्धि दिवस के अवसर पर, शाकंभरी पूजा करते हुए और भगवती शाकंभरी यंत्र को अपने घर में स्थापित करते हुए, भगवती शाकंभरी को अपने शरीर में समाहित (धारण) करते हुए, साधक अपनी मनोकामना कहें। जीवन में जो भी कमियां हैं, वे सभी दूर हो जाएं और जीवन में जो चाहा है वह प्राप्त हो, ऐसा संकल्प करके हाथ में लिए हुए जल को भूमि पर छोड़ देना चाहिए।)

शाकंभरी महा मंत्र (11 माला जप – हकीक माला)

ॐ ऐं क्लीं शाकंभरी महादेव्यै क्लीं क्लीं ऐं फट्

(मंत्र जप पूरा होने के बाद माता दुर्गा देवी या किसी भी देवी की आरती करें और शाकंभरी देवी के समक्ष रखे हुए नैवेद्य को घर के सभी सदस्यों में बांट दें। इसके बाद शुद्ध घी से एक सौ आठ (108) बार ऊपर दिए गए मंत्र के साथ आहुतियाँ देनी चाहिए। यह साधना विधि पूर्ण होने के बाद एक कुमारी कन्या को घर पर आमंत्रित कर भोजन कराएं और अपनी शक्ति (सामर्थ्य) के अनुसार वस्त्र एवं दक्षिणा दें। इस साधना के द्वारा जीवन में कैसी भी परेशानियाँ और दुःख हों, वे सभी दूर हो जाते हैं।)

भवदीय - श्री निखिल चेतना केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना - मोबाइल नंबर 9391029811, 9849069834